सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 122
01/02/2019

राजभवन में उच्च शिक्षा का 'ब्लूप्रिन्ट' तैयार करने के लिए शिक्षाविदों का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 4 एवं 5 फरवरी, 2019 को आयोजित होगा

पटना, 01 फरवरी 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन के निदेशानुरूप राजभवन स्थित राजेन्द्र मंडप में उच्च शिक्षा के विकास का 'ब्लूप्रिन्ट' तैयार करने हेतु शिक्षाविदों का दो–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 4 एवं 5 फरवरी, 2019 को आयोजित होगा। कार्यक्रम का संयोजन पटना विश्वविद्यालय के द्वारा किया जा रहा है।

प्रथम दिन सम्मेलन का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन द्वारा पूर्वाह्न 10:30 बजे किया जायेगा। सम्मेलन में राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव एवं अंगीभूत महाविद्यालयों के प्राचार्यों को भी भाग लेने के लिए बुलाया गया है।

सम्मेलन के उद्घाटन–सत्र में राज्य के शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नंदन प्रसाद वर्मा भी उपस्थित रहेंगे। उनके अतिरिक्त उद्घाटन–सत्र में 'NAAC' के चेयरमैन डॉ॰ वी॰एस॰ चौहान, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय में कार्यरत संयुक्त सचिव डॉ॰ एन॰ सरवन कुमार, राज्यपाल सचिवालय में कार्यरत राज्यपाल के सलाहकार (उ॰शि॰) एवं शिक्षाविद् डॉ॰ आर॰सी॰ सोबती, पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रासबिहारी प्रसाद सिंह तथा प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह भी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करेंगे।

सम्मेलन में प्रथम दिन 4 फरवरी, 2019 को उद्घाटन–सत्र के बाद चार सत्र तथा दूसरे दिन 5 फरवरी, 2019 को कुल पाँच तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएँगे। इस तरह दो दिनों में उद्घाटन सत्र को छोड़कर कुल 9 तकनीकी सत्र संयोजित होंगे।

सम्मेलन में राज्य में उच्च शिक्षा के विकास का 'ब्लूप्रिन्ट' तैयार करने के क्रम में तीन रूपों में प्रारूप तैयार किए जायेंगे। 'अल्पकालिक प्रारूप' एक वर्ष के निर्धारित लक्ष्यों को लेकर तैयार होगा, जबकि 'मध्यमकालिक प्रारूप' तीन वर्षीय निर्धारित लक्ष्यों को लेकर प्रस्तावित होगा। 'दीर्घकालिक प्रारूप' पाँच वर्षीय निर्धारित लक्ष्यों के आधार पर तैयार होगा।

कार्यक्रम में प्रथम दिन प्रथम तकनीकी सत्र में 'उच्च शिक्षा में डिजिटल पहल' (Digital Initiatives in Higher Education) विषय पर विमर्श होगा, जिसमें –सूचना प्रावैधिकी विभाग के प्रधान सचिव श्री राहुल सिंह प्रमुख वक्ता होंगे। डॉ॰एन॰ सरवन कुमार, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार तथा महाराष्ट्र नॉलेज कॉरपोरेशन के डॉ॰ विवेक सामंत भी इस सत्र को संबोधित करेंगे।

प्रथम दिन का दूसरा सत्र 'नैक प्रत्ययन' से जुड़े विषयों (NAAC Related Issues) पर केन्द्रित होगा, जिसमें 'नैक' के चेयरमैन डॉ॰ वीरेन्द्र सिंह चौहान प्रमुख वक्ता होंगे।

प्रथम दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में 'अकादमिक एवं परीक्षा विषयक सुधार तथा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता विकास' (Academic And Examination Reforms, Quality Improvement of Higher Education) विषय पर 'नैक' बेंगलूरू से आनेवाले डॉ॰ रमा कोडापल्ली एवं अम्बेदकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो॰ श्याम मेनन अपने विचार व्यक्त करेंगे।

प्रथम दिन के आखिरी और चौथे तकनीकी सत्र में 'छात्रों की गतिविधियाँ, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा पूर्ववर्त्ती छात्रों का विश्वविद्यालय के साथ संवाद (Students Activities, Social Responsibility and Alumni University Interface) –विषय पर डॉ॰ आर॰सी॰ सोबती प्रमुख वक्ता होंगे।

सम्मेलन के दूसरे दिन 5 फरवरी, 2019 को निम्नांकित पाँच विषयों पर पाँच तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएँगे–

1. NIRF (National Institute Ranking Framework Related Issues and Industry Academia Interface) (एन॰आई॰आर॰एफ॰ से जुड़े मुद्दे एवं औद्योगिक शैक्षिक पारस्परिक संवाद)

2. Faculty Development (शिक्षकों का गुणवत्ता विकास)

3. Library Facility (पुस्तकालय सुविधा)

4. Extra Curricular Activities, Sports and Cultural Activities (पाठ्यक्रम के अतिरिक्त गतिविधियाँ, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ) तथा–

5. Role of Private Universities in the Development of Higher Education in Bihar (निजी विश्वविद्यालयों की बिहार की उच्च शिक्षा के विकास में भूमिका)

दूसरे अंतिम दिन के प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ॰ सुचीन्द्र कुमार, निदेशक उच्च शिक्षा (EY) तथा श्री गौरव सिंह, दूसरे सत्र में डॉ॰ के॰ रामचन्द्रन (सलाहकार, NIPEA), तीसरे सत्र में डॉ॰ राजकुमार (से॰नि॰ पुस्तकालयाध्यक्ष, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़), चौथे सत्र में डॉ॰ संजय सिन्हा निदेशक (खेल) कला, संस्कृति एवं युवा विभाग (बिहार सरकार) तथा पाँचवें और अंतिम तकनीकी सत्र में प्रो॰ टी॰आर॰ वेंकटेश, एमिटी विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति प्रमुख वक्ता होंगे।

समापन–सत्र 5 फरवरी, 2019 को 4:00 बजे से आयोजित होगा। सत्र–संचालन एवं प्रतिवेदक के रूप में पटना विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों की सेवाएँ प्राप्त की जाएँगी।

.....